टी.ए. 216/2026
सचिन बनाम स्टेट

10.07.2026

पत्रावली पेश। पुकार पर आवेदक एवं विद्वान डी.जी.सी. फौजदारी उपस्थित है। प्रार्थना पत्र 3 ख पर सुना एवं पत्रावली का अवलोकन किया।

प्रार्थना पत्र 3 ख आवेदक की ओर से न्यायालय अपर सेशन न्यायाधीश कोर्ट सं. 05 मुजफ्फरनगर में विचाराधीन एस.टी 473/2015 सरकार बनाम सचिन मु.अ.सं. 608/2014 धारा 395, 342, 412 भा.दं.संहिता थाना बुढ़ाना एवं एस.टी. 473 ए/2015 सरकार बनाम नईम मु.अ.सं. 608/2014 धारा 395, 342 भा.दं.संहिता थाना बुढ़ाना की पत्रावलियाँ एवं न्यायालय अपर सेशन न्यायाधीश/एफ.टी.सी., कोर्ट सं. 03 मुजफ्फरनगर में विचाराधीन एस.टी 114/2018 सरकार बनाम शहनवाज मु.अ.सं. 608/2014 धारा 395, 342 भा.दं.संहिता थाना बुढ़ाना मुजफ्फरनगर की पत्रावलियाँ एक न्यायालय में इस आधार पर अंतरित किये जाने हेतु प्रस्तुत किया गया है कि उपरोक्त तीनों सेशन वाद एक ही मु.अ.सं. 608/2014 थाना बुढ़ाने से संबंधित हैं और सभी सेशन वाद में एक ही साक्ष्य आना है। अतः उपरोक्त तीनों सेशन वाद को किसी एक सक्षम न्यायालय में अंतरित किये जाने की प्रार्थना की गयी है। प्रार्थना पत्र शपथ पत्र से समर्थित है।

न्यायालय अपर सेशन न्यायाधीश कोर्ट सं. 05 मुजफ्फरनगर से प्राप्त आख्यानुसार एस.टी 473/2015 सरकार बनाम सचिन मु.अ.सं. 608/2014 धारा 395, 342, 412 भा.दं.संहिता थाना बुढ़ाना एवं एस.टी. 473 ए/2015 सरकार बनाम नईम मु.अ.सं. 608/2014 धारा 395, 342 भा.दं.संहिता थाना बुढ़ाना विचारण हेतु उनके न्यायालय में लंबित हैं और न्यायालय अपर सेशन न्यायाधीश/एफ.टी.सी., कोर्ट सं. 03 मुजफ्फरनगर से प्राप्त आख्यानुसार एस.टी 114/2018 सरकार बनाम शहनवाज मु.अ.सं. 608/2014 धारा 395, 342 भा.दं.संहिता थाना बुढ़ाना मुजफ्फरनगर उस न्यायालय में लंबित है।

अतः सुविधा की दृष्टि से बिना गुण दोष पर टिप्पणी किये न्यायालय अपर सेशन न्यायाधीश/एफ.टी.सी., कोर्ट सं. 03 मुजफ्फरनगर में लंबित एस.टी 114/2018 सरकार बनाम शहनवाज मु.अ.सं. 608/2014 धारा 395, 342 भा.दं.संहिता थाना बुढ़ाना मुजफ्फरनगर को विधिनुसार निस्तारण हेतु न्यायालय अपर सेशन न्यायाधीश कोर्ट सं. 05 मुजफ्फरनगर में अंतरित किया जाता है। इस आदेश की एक प्रति संबंधित न्यायालय को भेजी जाए।

सेशन न्यायाधीश,
मुजफ्फरनगर

Digitally signed by BIRENDRA KUMAR SINGH
Date: 2026.07.10 17:49:57 IST
Reason: Document Owner
Location: District and Sessions Court